परामर्श प्रमुख

श्री कैलाशचंदजी जैन, झाँसी
श्री जिनेन्द्रकुमारजी जैन, अहमदाबाद

प्रधान संपादक
सिंघई राजेन्द्र जैन, 9424013136

सह संपादिका
श्रीमती अनुपमा-रजनीश जैन, 9009066884
श्रीमती साधना-सुनील जैन, 8602696165

कोषाध्यक्ष
सुधेशकुमार जैन, 9827254111

प्रबंध संपादक
राजेन्द्रकुमार जैन, सायकलवाले 9425353972
खुशालचंद जैन, 9302123879
कोमलचंद जैन, 9329524227

संयोजक एवं प्रकाशक
बाहुबली जैन, 9827247847

समाज के श्रेष्ठीजनों से पुन: सादर अनुरोध है कि समाज की एकमात्र सामाजिक पत्रिका गोलालारीय दर्शन के निरंतर प्रकाशन के लिए आप शिरोमणि संरक्षक, परम संरक्षक, संरक्षक, विशेष सहयोगी बनकर पत्रिका को आर्थिक संबल प्रदान करें।

शिरोमणि संरक्षक, परम संरक्षक अपना संक्षिप्त परिचय सपत्नीक फोटो सहित एवं संरक्षक तथा विशेष सहयोगी सदस्य अपना संक्षिप्त परिचय फोटो सहित भेजे ताकि प्रकाशन किया जा सके।

सदस्यता शुल्क

शिरोमणि संरक्षक (अ.जा.)	21000/-
परम संरक्षक (अ.जा.)	11000/-
संरक्षक (अ.जा.)	5100/-
विशेष सहयोगी (अ.जा.)	2100/-
सहयोगी सदस्य	1100/-
सहयोग राशि	500/-

आप 'गोलालारीय दर्शन' के बैंक खाते में सहयोग राशि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के खाता क्रं. 63048875855
IFSC Code: SBIN0030134
में चेक द्वारा ही जमा कर स्लीप की फोटोकॉपी व अपना नवीन फोटो मय जानकारी के हीरालाल एण्ड संस, 16 महारानी रोड व कार्यालय पते पर अवश्य भेजें ताकि आपको रसीद भेज कर आपका विवरण प्रकाशित किया जा सके।
नोट - 8 मार्च 2014 से अन्य शहरों से जमा की जाने वाली राशी पर बैंक शुल्क न्यूनतम 50 रु. कर दिया है।

अत: बायोडाटा शुल्क मल्टीसिटी चेक के द्वारा ही पत्रिका के पते पर भेजे।

विज्ञापन दर (कलर)

अंतिम पेज	15000/-
फुल पेज (अंदर)	11000/-
1/2 पेज	5000/-
1/4 पेज	3000/-
मांगलिक बधाई फोटो सहित	2000/-
शोक संदेश फोटो सहित	1000/-
बॉयोडाटा फोटो सहित	300/-

बायोडाटा, समाचार व अन्य कोई जानकारी पत्रिका में प्रकाशित करने हेतु गोलालारीय दर्शन 64, न्यू देवास रोड, इन्दौर अथवा श्री राजेन्द्रकुमार जैन हीरालाल एण्ड संस, 16 महारानी रोड, इन्दौर पर भेंजे।

108 श्री आस्तिक्यसागरजी महाराज की पिच्छी श्री फूलचंद संजय कुमार जैन को प्राप्त हुयी।

इन्दौर, सुधेश जैन। चर्या शिरोमणि 108 विशुद्धसागरजी महामुनिराज ससंघ की पिच्छी परिवर्तन एवं चातुर्मास कार्यक्रम भव्यता के साथ 22 अक्टूबर को इन्दौर में संपन्न हुआ। इस अवसर पर महापुण्यशाली व्यक्तित्व, समाज गौरव, धार्मिक प्रवृत्ति, सरल हृदय, तप साधना चर्याशिरोमणि श्रावकों को मुनिराजों की पिच्छी प्राप्त करने का महापुण्यशाली अवसर प्राप्त हुआ। समाज गौरव मुनिश्री 108 आस्तिक्यसागरजी महाराज की पिच्छी लेने का परम सौभाग्य समाजश्रेष्ठी श्री फूलचंदजी संजयकुमार जैन, साउथ तुकोगंज वालो को प्राप्त हुआ। श्री संजय जैन समवशरण ग्रुप, साउथ तुकोगंज के सक्रिय सदस्य है व चातुर्मास समिति के मुख्य पदाधिकारी होने के नाते आपने अपने दायित्व का निर्वाह पूर्ण कुशलता व मनोयोग से कर चातुर्मास कराने में अपनी महती भूमिका निभायी है। इस अवसर पर समाज के सदस्यों ने श्री फूलचंद संजयकुमार के पिच्छी प्राप्त करने की अनुमोदना की।

णमोकार मंत्र की महिमा

जैन धर्म की महिमा, तुम गाते रहो, गुन गुनाते रहो।
मंत्र नवकार का तुम सुमरण करो, सुमरण करो।
अनादिकाल से महामंत्र है ये।
पाप कर्मों का क्षय करने वाला है ये।
जिस जिसने इसका सुमरण किया।
जीवन उसका एक दम बदल सा गया।
अंजन चोर ने इस महामंत्र को जपा।
देव गणों ने उसकी रक्षा किया।
इस महामंत्र को जपकर वो मोक्ष गया, वो मोक्ष गया।
मंत्र णमोकार की ऐसी महिमा अनेक, महिमा अनेक।
वीतरागी बनो त्यागी व्रती बनो
आचार्य उपाध्याय साधु बनो।
अष्ट कर्मों को नष्ट करते रहो, करते रहो।
मंत्र नवकार को तुम जपते रहो, जपते रहो।
पांच पद से ये मूल महामंत्र बना।
इससे ही चौरासी मंत्रों की रचना हुई।
तभी तो ये मूल मंत्र कहा गया, हाँ कहा गया।
संजय गा रहा जैन धर्म की महिमा।
जैन धर्म की महिमा, तुम गाते रहो, गुन गुनाते रहो।
मंत्र नवकार की तुम सुमरण करो, सुमरण करो।

- संजय जैन, मुंबई

गोम्मटेश्वर में विद्वत सम्मेलन साआनंद संपन्न।

इन्दौर, अनुपमा जैन। गोम्मटेश्वर भगवान बाहुबली स्वामी के महामस्तकाभिषेक महोत्सव 2018 के पूर्व आयोजित सम्मेलन श्रृंखला में राष्ट्रीय जैन विद्वत सम्मेलन 1 अक्टूबर से 5 अक्टूबर तक श्रुतकेवली भद्रबाहु मण्डप, गोम्मटनगर, श्रवणबेल्गोला में संपन्न हुआ जिसमें देश भर की विद्वत संस्थाओं के 578 से अधिक विद्वानों ने सपरिवार सहभागिता कर एक इतिहास रचा। सभी विद्वानों ने गोम्मटेश्वर भगवान बाहुबली के चरणों में बैठकर श्रवणबेल्गोला में चातुर्मासरत आचार्यश्री वर्द्धमानसागरजी महाराज सहित 84 पिच्छीधारी संतों के सान्निध्य व जगतगुरु कर्मयोगी स्वस्तिश्री चारुकीर्तिजी भट्टारक स्वामी श्रवणबेलगोला के नेतृत्व में अपनी भावना को लिपिबद्ध कर गद्य पद्य आलेखों के माध्यम से गोम्मटेश्वर का 'अक्षराभिषेक' कर अपनी भक्ति, श्रद्धा, आस्था, विश्वास का अर्घ समर्पित कर बताया कि गोम्मेटश्वर के चरणों में केवल दिगम्बरत्व की जय जयकार है। यहां सकीर्ण मानसिकता व पंथवाद का कोई स्थान नहीं है। दिगम्बरत्व का विश्व मान्य तीर्थ श्रवणबेलगोला दिगम्बरत्व का महासागर है जो हमें मुक्ति पथ पर अग्रसर होने की प्रेरणा देता है। गोम्मटेश्वर भगवान बाहुबली महामस्तिकाभिषेक महोत्सव की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता एम.के. जैन, कार्याध्यक्ष एस. जितेन्द्रकुमार, सचिव सतीशचन्द्र जैन व राष्ट्रीय जैन विद्वत सम्मेलन के अध्यक्ष अशोक बड़जात्या इन्दौर, सर्वाध्यक्ष डॉ. श्रेयांशकुमार बडौत, अनुपम जैन, इन्दौर, मुख्य संयोजक नवीन जैन गाजियाबाद, संचालक ब्र. जयकुमार जैन 'निशांत', संयोजक सुरेन्द्र जैन बाकलीवाल व सहसंयोजक दिनेशकुमार जैन इन्दौर व अन्य समाजश्रेष्ठी के सान्निध्य में विद्वत सम्मेलन साआनंद संपन्न हुआ। विद्वत सम्मेलन की अद्भुत सफलता के अवसर पर इन्दौर में शानदार सांस्कृतिक आयोजनों के द्वारा शहर का नाम रोशन करने वाली प्रतिभाओं का सम्मान दिगम्बर जैन महासमिति के रा. अध्यक्ष श्री अशोक बड़जात्या, संयोजक श्री सुरेन्द्र बाकलीवाल, सहसंयोजक श्री दिनेशकुमार जैन के सान्निध्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर नगर के अनेक समाज श्रेष्ठियों ने कार्यकर्ताओं की भूरि भूरि प्रशंसा की।

आठवीं पुण्यतिथि

जन्म दिनांक : 27.09.1928
स्वर्गवास दिनांक : 15.11.2009

पूज्य पिता श्री पं. सागरमलजी जैन
विदिशा

की पुण्य स्मृति पर हम सभी की ओर से विनम्र श्रद्धांजलि

श्रीमती सुधा-विवेक जैन विदिशा
ममता-समर्थ जैन विदिशा
श्रीमती सुनीता जैन
(प्राचार्य शा. हाई स्कूल ग्वालटोली, सीहोर)
डॉ. पंकज जैन
(विभागाध्यक्ष - शा. महिला पोली. महा. सीहोर)

एवं समस्त परिजन, स्व. पं. श्री सागरमल जैन स्मृति न्यास विदिशा

77, ड्रीम सिटी, सेंट एनी स्कूल के पास, सीहोर मो.: 9827046409, 8823881855